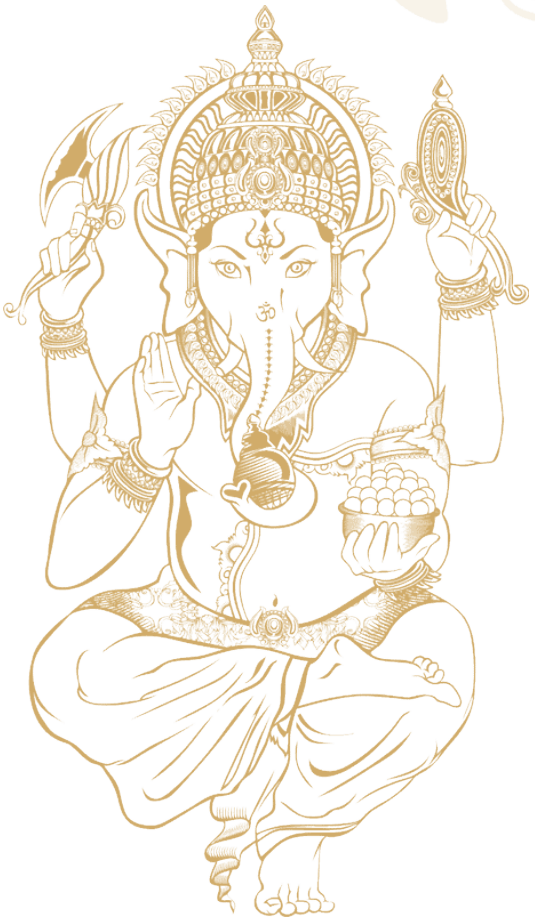

V

D

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121601202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/04/1997	जन्म तिथि	29/09/1996
बुधवार	दिन	रविवार
घंटे 15:50:00	जन्म समय	17:05:00 घंटे
घटी 25:02:21	जन्म समय(घटी)	27:07:35 घटी
India	देश	India
Gurgaon	स्थान	Gurgaon
28:27:00 उत्तर	अक्षांश	28:27:00 उत्तर
77:01:00 पूर्व	रेखांश	77:01:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:56	स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:49:03	सूर्योदय	06:13:58
18:51:59	सूर्यास्त	18:10:02
23:49:08	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:44

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 5वर्ष 1मा 24दि		00:27:39	कन्या	लग्न	कुंभ	21:00:38	शुक्र 19वर्ष 4मा 15दि	
शनि		09:29:01	मेष	सूर्य	कन्या	12:47:14	चन्द्र	
18/06/2018		16:11:04	तुला	चंद्र	मेष	13:44:56	14/02/2022	
17/06/2037		23:02:21	सिंह व	मंगल	कर्क	18:17:00	14/02/2032	
शनि	20/06/2021	12:45:30	मेष व	बुध	सिंह	25:49:51	चन्द्र	15/12/2022
बुध	28/02/2024	24:43:49	मक	गुरु	धनु	15:03:14	मंगल	16/07/2023
केतु	08/04/2025	14:51:56	मेष	शुक्र	सिंह	00:50:02	राहु	14/01/2025
शुक्र	08/06/2028	19:20:20	मीन	शनि व	मीन	09:56:41	गुरु	16/05/2026
सूर्य	21/05/2029	04:35:04	कन्या व	राहु व	कन्या	14:10:38	शनि	16/12/2027
चन्द्र	20/12/2030	04:35:04	मीन व	केतु व	मीन	14:10:38	बुध	16/05/2029
मंगल	29/01/2032	14:41:34	मक	हर्ष व	मक	06:52:34	केतु	15/12/2029
राहु	05/12/2034	06:07:07	मक	नेप व	मक	01:10:43	शुक्र	16/08/2031
गुरु	17/06/2037	11:13:55	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	07:12:11	सूर्य	14/02/2032

लग्न-चलित

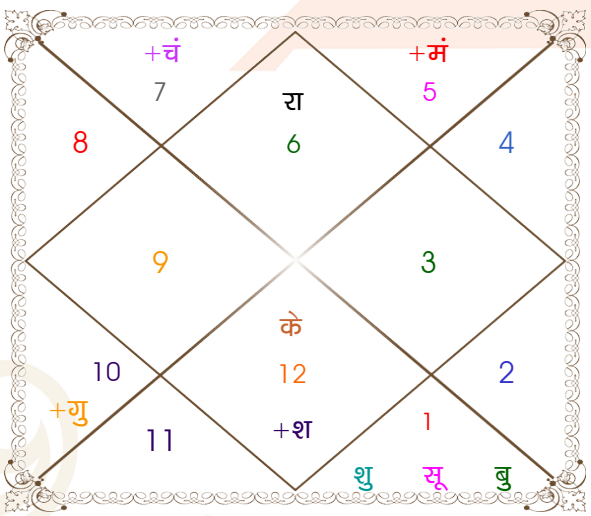

लग्न-चलित

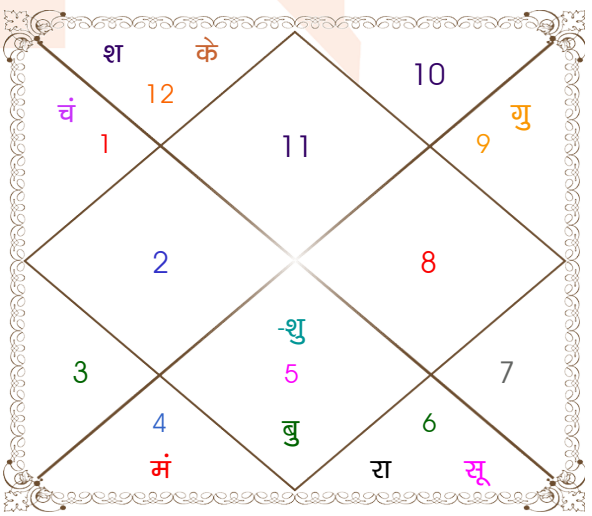

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

V का वर्ग मृग है तथा D का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूV मिलान के अनुसार V और D का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

V मंगलीक है Dयोंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

D मंगलीक नही है Dयोंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कV जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल D कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कV जाता है।

V तथा D में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूV एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।